प्राप्त 1886

अपराधशास्त्रीय अंतर्दृष्टि

द्वारा

डॉ. मृदुल श्रीवास्तव

प्राप्त 1886
औपनिवेशिक खाता बही: 1886
उत्तर-पश्चिमी प्रान्त और अवध की जेलों का प्रशासनिक सूक्ष्म-प्रबंधन

19वीं सदी के जेल प्रशासन के प्रमुख निर्देश (1871-1886)

उत्तर-पश्चिमी प्रांत और अवध (North-Western Provinces & Oudh) के जेल विभाग द्वारा जारी ऐतिहासिक प्रशासनिक नियमों और सुधारों का संक्षिप्त विवरण। 1871 से 1886 के बीच जेलों में अनुशासन, संसाधन प्रबंधन और कैदी व्यवहार पर आधारित सरकारी सर्कुलर।

प्रशासनिक नियंत्रण और संसाधन प्रबंधन

उपकरणों की मरम्मत और जवाबदेही

घड़ियों और तालों की मरम्मत केवल मुख्यालय द्वारा होगी और लापरवाही के लिए अधिकारी का नाम दर्ज किया जाएगा।

स्टॉक की निजी जांच अनिवार्य

सुपरिटेंडेंट को चोरी और पाटे को रोकने के लिए कच्चे माल और स्टॉक की खुद जांच करनी होगी।

कैदी प्रबंधन और सजा के नियम

विचाराधीन कैदियों की संपत्ति का रिकॉर्ड

जेल रजिस्टर में अब विचाराधीन कैदियों की संपत्ति का विवरण भी सजायाफ्ता कैदियों की तरह दर्ज करना होगा।

किशोर सजा के लिए सख्त निर्देश

यदि किसी किशोर को कोड़े मारने के बजाय जेल दी जाती है, तो मजिस्ट्रेट को उसका लिखित कारण देना होगा।

स्वदेशी रंगों का उपयोग

ऊनी कपड़ों के निर्माण में हानिकारक कृत्रिम एनीलिन रंगों पर प्रतिबंध लगाकर केवल प्राकृतिक स्वदेशी रंगों का उपयोग अनिवार्य किया गया।

8 मार्च, 1871
इलाहाबाद
स्टूअर्ट क्लार्क
(इंस्पेक्टर-जनरल)

30 मार्च, 1886
लखनऊ
आर. टी. होवार्ट
(इंस्पेक्टर-जनरल)

14 अप्रेल, 1886
लखनऊ
कर्नल एच. एम.
स्टेनली क्लार्क

साम्राज्य का नौकरशाही फनल

साम्राज्य का नियंत्रण फाइलों और कागजों से चलता था, न कि केवल हथियारों से।

महानिरीक्षक आर. टी. होबार्ट (R.T. Hobart) और कर्नल स्टैनली क्लार्क (Col. Stanley Clarke)

एक टूटे हुए ताले की यात्रा

Step 1
स्थानीय जेल
ताला टूटना

→

Step 2
दोषारोपण
अधिकारी की लापरवाही की जाँच और उसका नाम दर्ज करना अनिवार्य

→

Step 3
प्रधान कार्यालय
मरम्मत के लिए संचय

→

Step 4
इंग्लैंड
अंतिम मरम्मत के लिए विदेश भेजना

> साम्राज्य में कोई भी वस्तु इतनी छोटी नहीं थी कि उसे स्थानीय रूप से ठीक किया जा सके।

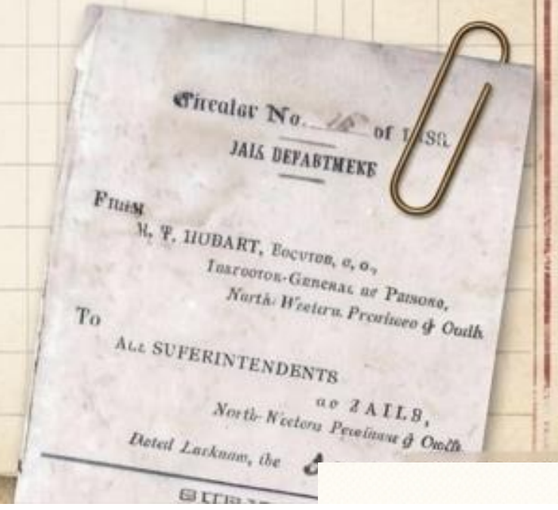

रंगों का उपयोग: एक अनिवार्य नियम

✗ कृत्रिम/एनिलीन रंग	✓ देसी/प्राकृतिक रंग
• सख्त वर्जित • घटिया गुणवत्ता • अस्थायी/कच्चा रंग	• सभी ऊनी कपड़ों के लिए अनिवार्य • प्राकृतिक और स्थायी

सरकारी आदेश द्वारा ऊनी कपड़ों के निर्माण में कड़ा नियंत्रण।

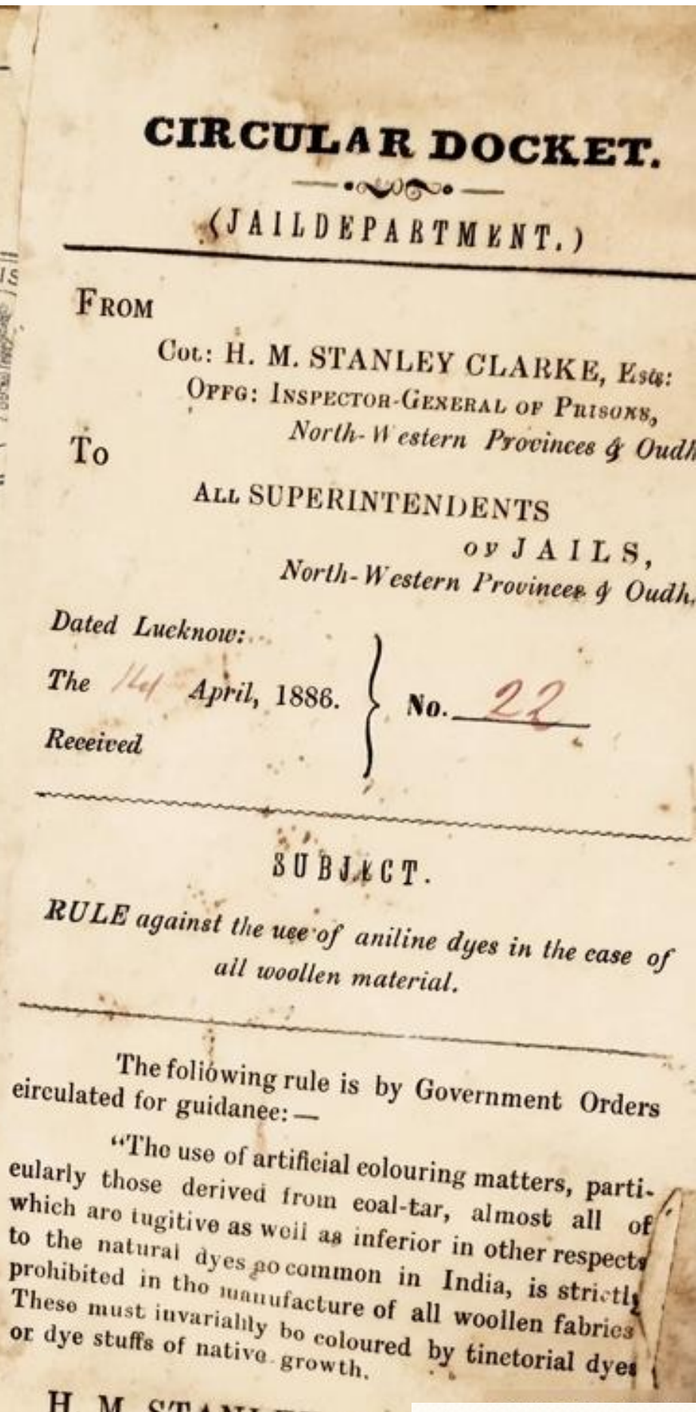

CIRCULAR DOCKET.

(JAIL DEPARTMENT.)

FROM

Col: H. M. STANLEY CLARKE, Esq:
Offg: Inspector-General of Prisons,
North-Western Provinces & Oudh

To

ALL SUPERINTENDENTS
of JAILS,
North-Western Provinces & Oudh.

Dated Lucknow:
The 14 April, 1886.
Received
No. 22

SUBJECT.

RULE against the use of aniline dyes in the case of all woollen material.

The following rule is by Government Orders circulated for guidance:—

"The use of artificial colouring matters, particularly those derived from coal-tar, almost all of which are fugitive as well as inferior in other respects to the natural dyes so common in India, is strictly prohibited in the manufacture of all woollen fabrics. These must invariably be coloured by tinctorial dyes or dye stuffs of native growth.

H. M. STANLEY CLA

राजकोषीय नियंत्रण और अविश्वास

अधीक्षकों की लापरवाही

अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए प्रलोभन

सरकारी नुकसान और गबन

अनिवार्य व्यक्तिगत परीक्षण

महीने के अंत में स्टॉक बुक में अनिवार्य हस्ताक्षर।
किसी भी कमी की तत्काल रिपोर्टिंग।

कैदी संपत्ति प्रबन्धन

विचाराधीन कैदी

सजायाफ्ता कैदी

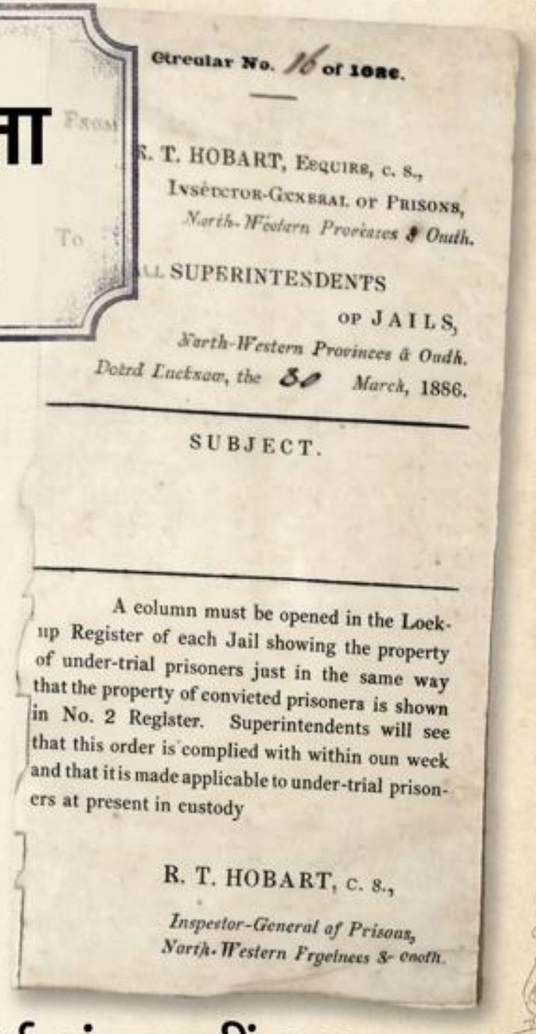

Circular No. 16 of 1886.

From

R. T. HOBART, Esquire, C. S.,
Inspector-General of Prisons,
North-Western Provinces & Oudh.

To

ALL SUPERINTENDENTS
OF JAILS,
North-Western Provinces & Oudh.

Dated Lucknow, the 30 March, 1886.

SUBJECT.

A column must be opened in the Lock-up Register of each Jail showing the property of under-trial prisoners just in the same way that the property of convicted prisoners is shown in No. 2 Register. Superintendents will see that this order is complied with within oun week and that it is made applicable to under-trial prisoners at present in custody

R. T. HOBART, C. S.,
Inspector-General of Prisons,
North-Western Frgelnees & oudh.

संपत्ति के मामले में, ब्रिटिश राज के लिए एक विचाराधीन और एक अपराधी में कोई अंतर नहीं था।

किशोर न्याय का तराजू

- मजिस्ट्रेट द्वारा कारणों का रिकॉर्ड
- जेल अधीक्षक को लिखित ज्ञापन
- सरकारी आवधिक विवरण में प्रविष्टि

अनुमानित कारण सख्त वर्जित हैं।

राज की मानसिकता

पूर्ण केंद्रीकृत दस्तावेज़ीकरण

हर ताले, हर कैदी और हर रंग का हिसाब।

आर्थिक निष्कर्षण

संसाधनों का कड़ा नियंत्रण और नुकसान की शून्य बर्दाश्त।

अधीनस्थों पर शून्य विश्वास

हर स्तर पर निगरानी और दोषारोपण की संस्कृति।

ब्रिटिश साम्राज्य ने लोगों और वस्तुओं पर एक ही हथियार से शासन किया: कठोर, संदेहास्पद और अथक नौकरशाही।